जीवन से मृत्यु तक - नश्वर मनुष्य

Randolph Dunn

Life to death Mortal man

जीवन से मृत्यु तक - नश्वर मनुष्य

पूर्णता

सुदूर अतीत में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की। सिरिएक बाइबल इसे "स्वर्ग का अस्तित्व या पदार्थ और पृथ्वी का अस्तित्व या पदार्थ" इस तरह दर्ज करती है। इस सृष्टि के बाद निम्नलिखित का निर्माण हुआ: 1) प्रकाश; 2) अंतरिक्ष, ग्रह भंवर, सौर मंडल, आकाश या विस्तार; 3) पानी, सूखी जमीन और वनस्पति का पृथक्करण; 4) सौर मंडल, तारे, सूर्य और चंद्रमा में रोशनी; 5) जलीय जीवन, आकाश में पक्षी, और हवा में सांस लेने वाले भूमि जीव, और अंत में; 6) मनुष्य अपनी छवि या समानता में एक प्राणी। मनुष्य एक धर्मी प्राणी था जो एक सिद्ध स्थान पर रहता था, अपने सृष्टिकर्ता के साथ एक परिपूर्ण संबंध में रहता था और परमेश्वर ने उसके साथ संचार किया था। (उत्पत्ति)

"इसलिये परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, परमेश्वर के स्वरूप के अनुसार उस ने उसे उत्पन्न किया; नर और मादा उसने उन्हें बनाया। परमेश्वर ने उन्हें आशीष दी और उन से कहा, फूलो-फलो, और गिनती में बढ़ो; पृथ्वी को भर दो और उसे अपने वश में कर लो। समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और भूमि पर रेंगनेवाले सब जन्तुओं पर अधिकार करो।' तब परमेश्वर ने कहा, 'मैं तुम्हें सारी पृथ्वी के ऊपर हर बीज देने वाला पौधा और हर उस पेड़ को देता हूं जिसमें बीज के साथ फल होते हैं। वे भोजन के लिए आपके होंगे। और पृथ्वी के सब पशुओं, और आकाश के सब पक्षियों, और भूमि पर रेंगनेवाले सब जन्तुओं को, जिन में जीवन का प्राण है, सब को मैं खाने के लिथे एक एक हरा पौधा देता हूं। और ऐसा था। परमेश्वर ने वह सब देखा जो उसने बनाया था, और वह बहुत अच्छा था।" (उत्पत्ति 1:27-31 एनआईवी) बहुत अच्छा शब्द "जितना अच्छा हो सकता है" का अर्थ रखता है जो कि पूर्णता है। परमेश्वर ने मनुष्य से एक सहायक भी बनाया; उनके लिए उपयुक्त एक साथी और उनसे कहा, "फूलो-फलो, और पृथ्वी में भर जाओ और उसे अपने वश में कर लो।" (जनरल 1:28)

"यहोवा परमेश्वर ने उस मनुष्य को लेकर अदन की वाटिका में रख दिया, कि वह उसका काम करे, और उसकी देखभाल करे। और यहोवा परमेश्वर ने उस पुरूष को आज्ञा दी, कि तुम बारी के किसी भी वृक्ष का फल खाने को स्वतंत्र हो; परन्तु भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल न खाना, क्योंकि जब तुम उसका फल खाओगे, तो निश्चय मरोगे।"' (उत्पत्ति 2:15-17)

प्रलोभन

यह सिद्ध संबंध कितने समय से अस्तित्व में था, इस बारे में बाइबल चुप है। क्या निर्णय लेने और चुनने की क्षमता वाला मनुष्य हमेशा इस पूर्णता की स्थिति में रहेगा? नहीं! पसंद का प्राणी होने के कारण, वह अपनी इच्छाओं से मोहित हो गया था। उसने वही किया जो परमेश्वर ने उसे न करने के लिए कहा था। उसने परमेश्वर के साथ सिद्ध सम्बन्ध को तोड़कर पाप किया। प्रेरित याकूब के अनुसार मनुष्य की परीक्षा परमेश्वर ने नहीं, बल्कि अपनी इच्छाओं से की थी। "जब परीक्षा हो, तो कोई यह न कहे, 'परमेश्वर मुझे परीक्षा दे रहा है।' क्योंकि न तो बुराई से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है, और न वह किसी की परीक्षा करता है; लेकिन हर एक को लुभाया जाता है, जब उसकी अपनी बुरी इच्छा से, उसे घसीटा जाता है और लुभाया जाता है (जैसा कि वे उसे बहकाते हैं और उसे फंसाते हैं - GWT)। फिर, इच्छा के गर्भ धारण करने के बाद, यह पाप को जन्म देती है; और पाप जब बड़ा हो जाता है, तब मृत्यु को जन्म देता है।" (जेम्स 1:13-15 एनआईवी)

टूटे रिश्ते के परिणाम

आदम और हव्वा ने आज्ञा नहीं मानी और पाप किया। भगवान के साथ सही रिश्ता टूट गया था। परमेश्वर ने उससे कहा था कि अवज्ञा के इस कार्य का परिणाम मृत्यु का नश्वर होना होगा। मनुष्य को अब धर्मी नहीं रह गया था कि उसे एक धर्मी संबंध में पुन: स्थापित करने या अनन्त मृत्यु को सहने के लिए एक मार्ग की आवश्यकता थी।

महिलाबच्चे के जन्म में बहुत अधिक दर्द सहना होगा और उसकी इच्छा पति की होगी। अल्बर्ट बार्न्स कहते हैं "उसे अपने पति की इच्छा के अधीन रहना होगा।'इच्छा' विशेष रूप से यौन इच्छा को संदर्भित नहीं करती है। (उत्पत्ति 3:16)। . . . 'तेरी इच्छा तेरे पति को दी जाएगी,

और उसी के अनुसार वह तुझ पर शासन करेगा।' दूसरा खंड, वाक्य की समानांतर संरचना के अनुसार, पहले का चरमोत्कर्ष या जोरदार पुनरावृत्ति है, और इसलिए इसका अर्थ निर्धारित करने में कार्य करता है। पतित पुरुष के अधीन, स्त्री कमोबेश गुलाम रही है। वास्तव में, स्वार्थ के शासन में, कमजोर को मजबूत की सेवा करनी चाहिए। केवल एक आध्यात्मिक पुनरुत्थान ही उसे उसके वास्तविक स्थान पर पुनर्स्थापित करेगा, मनुष्य के लिए सहायता-मिलन के रूप में।" (बार्न्स नोट्स, बाइबिलसॉफ्ट)

पॉल के माध्यम से मसीह उनके रिश्ते का एक बहुत अलग अर्थ देता है। ऐसा लगता है कि उनके रिश्ते को वापस साथी में डाल दिया गया है।

> "पति, प्यार (के लिए वरीयता है, अच्छी तरह से कामना करते हैं, कल्याण के संबंध में - थायर्स ग्रीक लेक्सिकन)तुम्हारी पत्नियाँ, जैसे मसीह ने चर्च से प्यार किया और खुद को उसके लिए दे दिया, कि वह उसे पवित्र कर सकता है, उसे वचन के साथ पानी से धोकर शुद्ध कर सकता है, ताकि वह चर्च को अपने लिए वैभव में पेश कर सके, बिना दाग या झुर्रियों के, या ऐसा कुछ भी हो, कि वह पवित्र और निष्कलंक हो। उसी प्रकार पतियों को चाहिए कि वे अपनी पत्नियों को अपने शरीर के समान प्रेम करें। जो अपनी पत्नी के प्यार करता है वह खुद को प्यार करता है। क्योंकि किसी ने कभी अपने शरीर से बैर नहीं रखा, वरन उसका पालन-पोषण और पालन-पोषण करता है, जैसे मसीह कलीसिया में करता है।" (इफि 5:25-30 ईएसवी)

आदमीअपके भोजन के लिये जो काँटों और कीड़ों के बीच मैदान के पौधों से निकलेगा, दु:ख से भरेगा। अल्बर्ट बार्न्स के हवाले से फिर से, "मिट्टी का अभिशाप उन फलों के पेड़ों की इच्छा है जिनके साथ बगीचे को लगाया गया था, और उस सहज विकास की जिसने मनुष्य के परिश्रम को अनावश्यक बना दिया होगा। काँटों और थिसलों की वृद्धि भी उस अभिशाप का एक हिस्सा थी जो मनुष्य को गिरने पर हुई थी। उसका दुख उस श्रम और पसीने से पैदा होना था, जिससे उसे जमीन से जीवन-निर्वाह के साधन निकालने थे। बगीचे के स्वतःस्फूर्त फलों के बजाय, खेत की जड़ी-बूटी, जिसे मेहनती खेती की आवश्यकता थी, अब उसके समर्थन का एक प्रमुख हिस्सा बन गई थी। " (बार्न्स नोट्स, बाइबिलसॉफ्ट)

पृथ्वीऐसा भी प्रतीत होता है कि वह मृत्यु के श्राप के अधीन था जैसा कि पौलुस कहता है "सृष्टि बड़ी उत्सुकता से परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की बाट जोह रही है। क्योंकि सृष्टि अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि उसके अधीन करने वाले की इच्छा से हताशा के अधीन थी, इस आशा में कि सृष्टि स्वयं अपने पतन के बंधन से मुक्त हो जाएगी और परमेश्वर की संतानों की गौरवशाली स्वतंत्रता में लाई जाएगी। . हम जानते हैं कि पूरी सृष्टि प्रसव पीड़ा के रूप में अभी तक कराह रही है।" (रोमियों 8:19-23 एनआईवी)

आदम और हव्वा, परिणामस्वरूप संपूर्ण मानवजाति, परमेश्वर की उपस्थिति से अलग हो गई थी और उसे पूर्ण सृष्टि से हटा दिया गया था। "वह मनुष्य भले बुरे को जानकर अब हम में से एक जैसा हो गया है। उसे हाथ बढ़ाकर जीवन के वृक्ष का फल लेने और खाने और सर्वदा जीवित रहने की अनुमति न दी जाए।' इसलिए, यहोवा परमेश्वर ने उसे अदन की वाटिका से निकाल दिया, कि वह उस भूमि पर काम करे, जहां से वह लिया गया था। और उस पुरूष को निकाल कर उस ने करूबों की अदन वाटिका के पूर्व की ओर, और जीवन के वृक्ष के मार्ग की रखवाली करने के लिथे एक धधकती हुई तलवार रखी।" (उत्पत्ति 3:22-24 एनआईवी)

मनुष्य अब एक नश्वर प्राणी था जिसे क्षमा की आवश्यकता थी ताकि वह अपने सृष्टिकर्ता परमेश्वर के साथ अपने पूर्व संबंध में पुनः स्थापित हो सके। परमेश्वर ने उससे कहा, "क्योंकि जब तुम उसमें से खाओगे, तो निश्चय मरोगे" और फिर सड़ जाओगे और उन तत्वों में लौट जाओगे जिनसे वह पैदा हुआ था।

एक नश्वर प्राणी

अच्छाई और बुराई के ज्ञान के पेड़ से खाने के बाद, मनुष्य को सही और गलत, अच्छे और बुरे, आज्ञाकारिता और विद्रोह के बीच फैसला करना चाहिए। हाबिल जैसे कुछ लोगों ने सही करना चुना। कैन जैसे अन्य लोगों ने अपने तरीके से जाना और अपना काम करना चुना।

समय की शुरुआत के कुछ 1600 - 1700 साल बाद, आठ लोगों को छोड़कर सभी दुष्ट थे। "यहोवा ने कहा, 'मेरा आत्मा मनुष्य से सदा न लड़ेगा, क्योंकि वह नश्वर है; उसके दिन एक सौ बीस वर्ष के होंगे। ... यहोवा ने देखा कि मनुष्य की दुष्टता पृथ्वी पर कितनी बड़ी हो गई है, और उसके मन में जो कुछ उत्पन्न होता है वह सब समय बुरा ही होता है। यहोवा शोकित हुआ, कि उस ने मनुष्य को पृथ्वी पर बनाया, और उसका मन पीड़ा से भर गया। इसलिथे यहोवा ने कहा, मैं मनुष्योंको, जिन्हें मैं ने रचा है, पृथ्वी पर से मिटा दूंगा, अर्थात क्या मनुष्य क्या क्या पशु, क्या भूमि पर रेंगनेवाले जन्तु, और आकाश के पक्षी, क्योंकि मैं शोक करता हूं, कि मैं ने उन्हें बनाया है।' (उत्पत्ति 6:3, 5-9)

नूह अपने समय के लोगों में धर्मी और निर्दोष था, और वह परमेश्वर के साथ चलता था। (उत्पत्ति 6:3)

"विश्वास ही से नूह ने उन बातों के विषय में जो उस समय दिखाई न पड़ती थीं, चितौनी पाकर भक्ति के भय के साथ अपने घराने के उद्धार के लिथे एक सन्दूक तैयार किया; जिसके द्वारा उस ने जगत को दोषी ठहराया, और उस धर्म का वारिस हुआ जो विश्वास से होता है।"(इब्रानियों 11:7 .)एएसवी) "जब जहाज बनाया जा रहा था तब परमेश्वर ने नूह के दिनों में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की। तब यहोवा ने नूह से कहा, तू अपने सारे परिवार समेत सन्दूक में जा, क्योंकि मैं ने तुझे इस पीढ़ी में धर्मी पाया है।'" (उत्पत्ति 7:1)

"इसमें केवल कुछ लोग, कुल मिलाकर आठ, पानी के माध्यम से बचाए गए थे, और यह पानी बपतिस्मा का प्रतीक है जो अब आपको भी बचाता है - शरीर से गंदगी को हटाने नहीं बल्कि भगवान के प्रति एक अच्छे विवेक की प्रतिज्ञा।" (1 पतरस 3:20-21 एनआईवी) "परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों को आशीर्वाद दिया, और उनसे कहा, "फूलो-फलो, और पृथ्वी में भर जाओ ... तब परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों से कहा, देख, मैं अपक्की वाचा तुझ से और तेरे बाद तेरे वंश को, और जितने प्राणी तेरे संग में हैं उन सभोंसे भी बान्धता हूं।(उत्पत्ति 9:1; 8-10 .)आरएसवी**)**

लेकिन बाढ़ के 300 साल से भी कम समय के बाद मानव जाति ने फिर से विद्रोह कर दिया। उन्होंने "अपने लिए एक नगर बनाने का निश्चय किया, जिसका एक गुम्मट आकाश तक जाता है, जिस से हम अपना नाम करें, और सारी पृथ्वी पर फैल न जाएं।" (उत्पत्ति 11:4) लेकिन परमेश्वर ने उन्हें विफल कर दिया। भाषा बाधाओं को जोड़ने की योजना।

इसके कुछ ही समय बाद परमेश्वर ने इब्राहीम को एक और धर्मी व्यक्ति कहा, और एक और वाचा स्थापित की। यह इस आदमी के वंश, वंश के माध्यम से होगा, मनुष्य के पापों के लिए प्रायश्चित किया जाएगा जिससे भगवान के साथ संबंध बहाल हो सके।

टूटे हुए रिश्ते को बहाल करना

परमेश्वर ने अब्राहम को बुलाए जाने में मनुष्य के टूटे हुए रिश्ते को बहाल करने की अपनी योजना के बारे में और अधिक खुलासा किया। "अब यहोवा ने अब्राम से कहा था, कि अपके देश, और अपके घराने और अपने पिता के घराने से निकलकर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा। मैं तुझे एक महान राष्ट्र बनाऊंगा; मैं तुझे आशीष दूंगा, और तेरा नाम बड़ा करूंगा; और तू आशीष होगा। जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूंगा, और जो तुझे शाप दें, उसे मैं शाप दूंगा; और पृथ्वी के सब कुल तुम में आशीष पाएंगे।"' (उत्पत्ति 12:1-3एनकेजेवी)

प्रतिज्ञा के पुत्र, इसहाक के द्वारा सारी पृथ्वी आशीषित होगी, न कि जीवन के प्राकृतिक मार्ग, इश्माएल के द्वारा पुत्र। "जब अब्राम निन्यानवे वर्ष का हुआ, तब यहोवा ने उसे दर्शन देकर कहा, मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर हूं; मेरे साम्हने चलकर निर्दोष बनो। मैं अपने और तुम्हारे बीच अपनी वाचा की पुष्टि करूंगा और तुम्हारी संख्या में बहुत वृद्धि करूंगा। ... तब परमेश्वर ने कहा, 'हाँ, परन्तु तेरी पत्नी सारा तेरे एक पुत्र उत्पन्न करेगी, और तू उसका नाम इसहाक रखना। मैं उसके साथ अपनी वाचा को उसके बाद उसके वंशजों के लिए हमेशा की वाचा के रूप में स्थापित करूंगा। और इश्माएल के विषय में मैं ने तेरी सुन ली है, मैं निश्चय उसको आशीष दूंगा; मैं उसे फलवन्त करूंगा, और

उसकी गिनती बहुत बढ़ाऊंगा। वह बारह शासकों का पिता होगा, और मैं उसे एक बड़ी जाति बनाऊंगा। परन्तु मैं इसहाक के साथ अपनी वाचा बान्धूंगा।'" (उत्पत्ति 17:1-2; 19-21 एनआईवी)

"परमेश्वर ने इसहाक और याकूब दोनों के साथ इस वाचा को नवीनीकृत किया। "भाइयों और बहनों, मुझे रोज़मर्रा की ज़िंदगी से एक उदाहरण लेने दें। एक बार वसीयत लागू होने के बाद कोई भी व्यक्ति की वसीयत को रद्द नहीं कर सकता या उसमें शर्तें नहीं जोड़ सकता। वादे इब्राहीम और उसके वंश से बोले गए थे। पवित्रशास्त्र यह नहीं कहता है, 'वंशज', कई का जिक्र करते हुए, लेकिन "आपके वंशज," एक का जिक्र करते हुए। वह वंशज मसीह है। मेरा मतलब यह है:परमेश्वर द्वारा अब्राहम से किए गए अपने वादे को लागू करने के 430 साल बाद मूसा को दिए गए कानून ने अब्राहम से किए गए वादे को रद्द नहीं किया. अगर हमें उन कानूनों का पालन करके विरासत हासिल करनी है, तो यह हमारे लिए वादे के कारण नहीं आता है। हालाँकि, परमेश्वर ने इब्राहीम को एक प्रतिज्ञा के माध्यम से स्वतंत्र रूप से विरासत दी ... मसीह के आने से पहले, मूसा के नियमों ने हमारे अभिभावक (स्कूल मास्टर, शिक्षक, संरक्षक) के रूप में कार्य किया। मसीह इसलिए आया ताकि हम विश्वास के द्वारा परमेश्वर की स्वीकृति प्राप्त कर सकें। लेकिन अब यह विश्वास आ गया है, हम अब एक अभिभावक के नियंत्रण में नहीं हैं।"(गलतियों 3:16-18; 24-25 गीगावाट)

प्रायश्चित बलिदान

"कानून केवल एक छाया है (एक छवि उस वस्तु के रूप का प्रतिनिधित्व करती है जो स्वयं वस्तु के विपरीत है - थायर ग्रीक लेक्सिकन);जो अच्छी चीजें आ रही हैं-न कि स्वयं वास्तविकताएं। ... वे बलिदान हर साल पापों की याद दिलाते हैं, क्योंकि यह नामुमकिन है कि बैलों और बकरियों का लहू पापों को दूर करे।" (इब्रानियों 10:1-4 एनआईवी)

"पहले उसने (मसीह ने) कहा, 'बलिदान और बलिदान, होमबलि और पापबलि की आपने इच्छा नहीं की, और न ही आप उनसे प्रसन्न थे' (हालांकि कानून के लिए उन्हें बनाना आवश्यक था)। फिर उसने कहा, 'मैं यहाँ हूँ, मैं तेरी इच्छा पूरी करने आया हूँ।' वह दूसरे को स्थापित करने के लिए पहले [मूसा के द्वारा दी गई व्यवस्था] को अलग रखता है। और उस इच्छा के द्वारा हम यीशु मसीह की देह के बलिदान के द्वारा एक बार सर्वदा के लिए पवित्र किए गए हैं। (इब्रानियों 10:8-10 एनआईवी)

"मनुष्य के पुत्र को ऊंचा किया जाना चाहिए, कि हर कोई जो [भरोसा करता है, उस पर टिका रहता है या उस पर निर्भर करता है] अनन्त जीवन प्राप्त कर सकता है। क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत को दोषी ठहराए, परन्तु इसलिये कि उसके द्वारा जगत का उद्धार करे। जो कोई उस पर विश्वास करता है [आज्ञाकारिता के माध्यम से अपना भरोसा रखता है] दोषी नहीं है, लेकिन जो नहीं मानता है वह पहले से ही दोषी है क्योंकि उसने उसके नाम पर विश्वास नहीं किया है (अधिकार, चरित्र - स्ट्रॉन्ग एंड इंटरनेशनल बाइबिल ट्रांसलेटर्स इंक।)भगवान का इकलौता बेटा।" (यूहन्ना 3:14-18 एनआईवी)

"जब मसीह उन अच्छी वस्तुओं के महायाजक के रूप में आया जो पहले से ही यहाँ हैं, तो वह उस बड़े और अधिक सिद्ध तम्बू से गुज़रा जो मानव निर्मित नहीं है, अर्थात् इस सृष्टि का हिस्सा नहीं है। वह बकरों और बछड़ों के लोहू के द्वारा भीतर न आया; परन्तु वह अपने ही लोहू के द्वारा सदा के लिये परमपवित्र स्थान (मूसा के द्वारा स्थापित परमपवित्र स्थान नहीं, पर परमेश्वर का धाम नहीं) में प्रवेश किया, और अनन्त छुटकारे को प्राप्त किया। (इब्रानियों 9:11-12 एनआईवी)

ईसा चरित

"यूहन्ना [बपतिस्मा देने वाले] के पकड़वाए जाने के बाद यीशु गलील में परमेश्वर के सुसमाचार का प्रचार करते हुए आया, और कहा, 'समय पूरा हुआ, और परमेश्वर का राज्य निकट है: मन फिराओ, और सुसमाचार पर विश्वास करो।" (मरकुस 1:14 एएसवी) यूहन्ना का संदेश था

कि वे अपने जीने के तरीके को बदलें [पश्चाताप], सुसमाचार पर विश्वास करें। लेकिन यह सुसमाचार क्या था जिस पर उन्हें विश्वास करने की आवश्यकता थी?

सुसमाचार शब्द का अर्थ है शुभ समाचार। यह खुशखबरी यह थी कि सिद्ध प्रायश्चित बलिदान (मसीहा - हिब्रू; मसीह - ग्रीक) नश्वर मनुष्य के बीच रहने और मनुष्य की तरह परीक्षा में आने के लिए मांस में पृथ्वी पर आया था। वह (यीशु) इन प्रलोभनों के आगे नहीं झुके और सभी को बताया कि वह अपने पिता की इच्छा से कर रहे थे, बल्कि यह कि वर्तमान यहूदी धार्मिक नेताओं और पिछले वर्षों के लोगों द्वारा स्थापित मनुष्य की परंपराओं को बनाए रखना। शास्त्री, फरीसी और कानून के शिक्षक क्रोधित, ईर्ष्यालु और ईर्ष्यालु थे क्योंकि भीड़ यीशु का अनुसरण करती थी। उन्हें अपनी शक्ति, सम्मान और प्रशंसा की स्थिति को खोने का भी डर था। इस ईर्ष्या ने उन्हें एक निर्दोष व्यक्ति को सूली पर चढ़ाए जाने की मांग के द्वारा मूसा की व्यवस्था और उनकी परंपराओं का उल्लंघन करने के लिए प्रेरित किया। परमेश्वर के प्रायश्चित बलिदान की मृत्यु, "परमेश्वर का मेम्ना," सुसमाचार का केवल एक हिस्सा था, क्योंकि तीसरे दिन परमेश्वर उसे मृतकों में से जीवित करेगा।

मनुष्य के मेल-मिलाप के साधन प्रदान करने के बाद, मसीह - देह में परमेश्वर - अपने स्वर्गीय घर में लौट आया और परमेश्वर को भेजा - आत्मा - उन सभी के साथ रहने के लिए जो परमेश्वर, मसीह में अपना भरोसा रखते हैं, आज्ञाकारिता के द्वारा उनका शरीर (चर्च) बन जाता है .) जो मसीह में हैं वे अपने पापों की क्षमा सहित सभी आत्मिक आशीषों को प्राप्त करते हैं और परमेश्वर के साथ अपने संबंध को पुनर्स्थापित करते हैं।

पॉल ने कहा:

"क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, क्योंकि जो कोई विश्वास करता है, उसके उद्धार के लिये परमेश्वर की सामर्थ है; पहले यहूदी को, और यूनानियों को भी। क्योंकि उस में विश्वास से विश्वास तक परमेश्वर की धार्मिकता प्रगट होती है: जैसा लिखा है, परन्तु धर्मी विश्वास से जीवित रहेगा।" (रोमियों 1:16-17 एन.के.जे.वी.)

"अब, भाइयों, मैं तुम्हें उस सुसमाचार की याद दिलाना चाहता हूं जो मैंने तुम्हें सुनाया था, जिसे तुमने प्राप्त किया था और जिस पर तुमने अपना पक्ष रखा था। इस सुसमाचार के द्वारा आप बचाए गए हैं,**यदि**तू वचन को दृढ़ता से थामे रह, मैं ने तुझे प्रचार किया। नहीं तो तुमने व्यर्थ विश्वास किया है।"

(1 कुरिन्थियों 15:1-2 एनआईवी)

"हम ने मसीह यीशु में तुम्हारे विश्वास के विषय में सुना है, और उस प्रेम के विषय में जो तुम सब पवित्र लोगों से रखते हो, वह विश्वास और प्रेम उस आशा से उत्पन्न होता है जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में रखी हुई है, और जिसके विषय में तुम सत्य के वचन में सुन चुके हो। सुसमाचार जो तुम्हारे पास आया है। यह सुसमाचार सारे जगत में फल ला रहा है, और बढ़ रहा है, जैसा यह तुम्हारे बीच उस दिन से करता आया है जब से तुम ने इसे सुना और परमेश्वर के अनुग्रह को सच्चाई में समझ लिया।" (कुलुस्सियों 1:4-6 एनआईवी)

"निश्चय ही, परमेश्वर के लिए यह सही है कि वह उन्हें कष्ट दे, जो आपको कष्ट देते हैं। भगवान के लिए यह भी सही है कि हम सभी को हमारे दुखों से मुक्ति मिले। वह ऐसा तब करेगा जब प्रभु यीशु प्रकट होंगे, *आ रह*स्वर्ग से अपने पराक्रमी स्वर्गदूतों के साथ धधकती आग में। वह उन लोगों से बदला लेगा जो परमेश्वर को स्वीकार करने से इनकार करते हैं और जो हमारे प्रभु यीशु के बारे में खुशखबरी का जवाब देने से इनकार करते हैं।" (2 थिस्सलुनीकियों 1:6-8 जीडब्ल्यूटी)

पतरस ने चेतावनी दी "यदि आप एक ईसाई होने के लिए पीड़ित हैं, तो शर्मिंदा न हों, बल्कि उस नाम से पुकारे जाने के लिए भगवान की स्तुति करें। न्याय के शुरू होने का समय आ गया है, और यह परमेश्वर के परिवार से शुरू होगा। यदि यह हमारे साथ शुरू होता है, तो उन लोगों का अंत क्या होगा जो परमेश्वर के सुसमाचार को मानने से इनकार करते हैं?"(1 पतरस 4:16-17 जीडब्ल्यूटी)

"अब जो मेरे सुसमाचार और यीशु मसीह के उपदेश के अनुसार तुम्हें उस रहस्य के प्रकटीकरण के अनुसार जो बहुत समय तक गुप्त रखा गया था, परन्तु अब प्रगट है, और भविष्यद्वक्ताओं के लेखों के द्वारा सब जातियों पर प्रगट किया जाता है, तुम्हें दृढ़ करने में समर्थ है। अनन्त परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, विश्वास की आज्ञाकारिता लाने के लिए!" (रोमियों 16:25-27आरएसवी)

आदमी की पसंद

हमने देखा है कि आदम और हव्वा ने बहुत ही घटिया चुनाव किया और परमेश्वर की इच्छा के बजाय अपनी इच्छाओं का पालन करने का चुनाव करते हुए प्रलोभन के आगे झुक गए। परिणामस्वरूप, वे और फलस्वरूप समस्त मानवजाति नश्वर हो गई। वे परमेश्वर की उपस्थिति से अलग हो गए थे, मर जाएंगे और उस मिट्टी में मिल जाएंगे जिससे परमेश्वर ने उन्हें बनाया था।

उन्होंने परमेश्वर के साथ अपना सिद्ध रिश्ता तोड़ दिया। इस संबंध को बहाल करने का एकमात्र तरीका पाप के बलिदान के लिए एक सिद्ध बलिदान था। इसलिए परमेश्वर, पुत्र, परमेश्वर, पिता की उपस्थिति को छोड़कर, पृथ्वी पर आया, मनुष्य के रूप में परीक्षा में पड़ने वाले लोगों के बीच रहा, लेकिन झुक नहीं रहा और अपने स्वयं के शरीर और जीवन के रक्त को उस सिद्ध बलिदान के रूप में पेश किया। जब परमेश्वर ने उसे कब्र से उठाया, तो उसने मृत्यु और कब्र पर विजय प्राप्त करके मनुष्य पर शैतान की एकमात्र पकड़ को नष्ट कर दिया।

इसलिए, चूंकि:

a. "सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं" (रोमियों 3:23)
b. "पाप का अंत बुरा ही होता है" (रोमियों 6:23आरएसवी)

सी। "उसने अपने पुत्र को हमारे पापों के प्रायश्चित के रूप में भेजा।" (1 यूहन्ना 4:10 एनआईवी)

तब मनुष्य को चाहिए:

a. समझें कि इस बलिदान को स्वीकार करने के लिए परमेश्वर उससे क्या चाहता है
b. मसीह में होने के उसके प्रस्ताव को स्वीकार करने का चुनाव करें।
c. उनके संदेश को स्वीकार करें - सुसमाचार
d. एक दफन या पानी में विसर्जित करने के लिए बपतिस्मा लिया। (अधिनियम 2:41 एनआईवी)
e. अपने स्वभाव में परिपक्व होते हुए भगवान को प्रसन्न करते हैं।

ये वही बात हैं जो पौलुस, ईसाइयों के सताने वाले शाऊल से, हनन्याह द्वारा करने के लिए कहा गया था - "उठो और बपतिस्मा लो, और उसके नाम से पुकारते हुए अपने पापों को धो लो।"(प्रेरितों 22:16 .)आरएसवी)

धार्मिकता के लिए बहाल

बाद में पौलुस इफिसियों के मसीहियों को बताएगा"उस में हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् पापों की क्षमा, परमेश्वर के उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है, जो उस ने सारी बुद्धि और समझ के साथ हम पर बरपाया है। और उस ने अपनी इच्छा का भेद हमें उसकी उस प्रसन्नता के अनुसार जो उस ने मसीह में ठानी थी, उस समय प्रगट किया जब वह पूरा हो जाएगा—स्वर्ग और पृथ्वी की सब वस्तुओं को एक ही सिर के नीचे ले आना। , यहाँ तक कि मसीह भी। ... तुम भी मसीह में सम्मिलित हो गए जब तुमने सत्य का वचन, अपने उद्धार के सुसमाचार को सुना। विश्वास करना (आज्ञा मानकर मसीह पर भरोसा करना; अर्थात कर्म करना), उस पर तुम पर मुहर लगाई गई, अर्थात प्रतिज्ञा की हुई पवित्र आत्मा, जो एक निक्षेप है, जो परमेश्वर के निज होने तक के छुटकारे तक हमारे निज भाग की गारंटी देता है—उसकी महिमा की स्तुति के लिए।" (इफिसियों 1:7-10… 13-14 एनआईवी)

"हे मेरे बालको, मैं यह तुझे इसलिये लिख रहा हूं, कि तू पाप न करे; परन्तु यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात् धर्मी यीशु मसीह; और वह प्रायश्चित है (हमारे दायित्वों को मानकर हमारे विकल्प ने ईस्टन के बाइबिल डिक्शनरी से हमारे अपराध को समाप्त कर दिया)हमारे पापों के लिए, और केवल हमारे ही नहीं, वरन सारे जगत के पापों के लिए भी।"(1 यूहन्ना 2:1-2 आरएसवी)

"इसलिए, अब से हम किसी को भी मानवीय दृष्टि से नहीं देखते हैं; भले ही हम एक बार मसीह को मानवीय दृष्टिकोण से मानते थे, फिर भी हम उसे इस प्रकार नहीं मानते। इसलिए, यदि कोई मसीह में है, तो वह एक नई सृष्टि है; पुराना बीत गया, देखो, नया आ गया है। यह सब परमेश्वर की ओर से है, जिस ने मसीह के द्वारा हमारा अपके साथ मेल कर लिया, और मेल मिलाप की सेवकाई हमें दी; अर्थात् परमेश्वर मसीह में जगत का मेल अपने आप से कर लेता था, और उनके अपराध उन पर नहीं गिनते थे।"(2 कुरिं. 5:16-19 आरएसवी)

नया जीवन जीना

"चेले प्रेरितों की शिक्षाओं, संगति, रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने के लिए समर्पित थे।" (अधिनियम 2:42-43 जीडब्ल्यूटी)

"अब जब तू ने सत्य की आज्ञा मानकर अपने आप को शुद्ध किया है, कि अपने भाइयों के प्रति सच्चा प्रेम रखते हो, तो एक दूसरे को हृदय से गहराई से प्रेम करो। क्योंकि तू परमेश्वर के जीवित और चिरस्थायी वचन के द्वारा नाशवान बीज से नहीं, पर अविनाशी से नया जन्म लिया है।" (1 पतरस 1:22-23 एनआईवी)

"इसलिये अपने आप से छुटकारा पाओ (ईसाइयों))सब द्वेष और सब छल, कपट, डाह, और सब प्रकार की निन्दा से। नवजात शिशुओं की तरह, शुद्ध आध्यात्मिक दूध की लालसा करो, ताकि तुम अपने उद्धार में बड़े हो जाओ, अब जब तुमने चखा है कि प्रभु अच्छा है। " (1 पतरस 2:1-3 एनआईवी)

"चूंकि आप विदेशी और अस्थायी निवासी हैं"दुनिया में, मैं आपको अपने भ्रष्ट स्वभाव की इच्छाओं से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूँ। ये इच्छाएं लगातार आप पर हमला करती हैं। अविश्वासियों के बीच अच्छा जीवन व्यतीत करो।" (1 पतरस 2:11-12 जीडब्ल्यूटी)

"परन्तु अपने मन में मसीह को प्रभु मानकर श्रद्धा करो। हर उस व्यक्ति का बचाव करने के लिए हमेशा तैयार रहें जो आपको उस आशा का हिसाब देने के लिए बुलाता है जो आप में है, फिर भी इसे नम्रता और श्रद्धा के साथ करें; और अपना विवेक शुद्ध रख, कि जब तेरी निन्दा की जाए, तब जो तेरे भले चालचलन को मसीह में निन्दा करते हैं, वे लज्जित हों।" (1 पतरस 3:15-16 आरएसवी)

"चूंकि मसीह ने शारीरिक रूप से कष्ट सहे हैं, तो वही रवैया अपनाएं जो उसका था। इस तरह जब आप पृथ्वी पर अपना शेष जीवन व्यतीत करते हैं तो आप पापी मानवीय इच्छाओं के द्वारा निर्देशित नहीं होंगे। इसके बजाय, आप परमेश्वर से जो चाहते हैं, उसके द्वारा आपका मार्गदर्शन किया जाएगा।" (1 पतरस 4:1-2 जीडब्ल्यूटी)

पीछे मत मुड़ो

- दो ईसाई हनन्याह और सफीरा ने झूठ बोला।

  "पतरस ने उससे कहा, 'तुम प्रभु की आत्मा की परीक्षा लेने के लिए कैसे सहमत हो सकती हो? नज़र! जिन लोगों ने तुम्हारे पति को मिट्टी दी उनके पांव द्वार पर हैं, और वे तुम्हें भी ले जाएंगे।'" (प्रेरितों के काम 5:9 एनआईवी)

- एक ईसाई सत्ता खरीदने का लालची था।

  "पतरस ने उत्तर दिया: 'तेरा पैसा तेरे साथ नाश हो, क्योंकि तू ने सोचा था कि तू पैसे से परमेश्वर का उपहार खरीद सकता है!'" (प्रेरितों के काम 8:20-21)

- एक मिशनरी ने दुनिया से प्यार किया और अपना काम छोड़ दिया।

  "देमास, क्योंकि उस ने इस जगत से प्रीति रखी, मुझे छोड़ कर थिस्सलुनीके को चला गया है।" (2 तीमुथियुस 4:10 एनआईवी)

- सारी कलीसियाएँ परमेश्वर से दूर भटक गईं।

  a. इफिसुस - आपने अपना पहला प्यार छोड़ दिया है - पश्चाताप करें और वह काम करें जो आपने पहले किया था
  b. पेरगाम - आपके पास ऐसे लोग हैं जो बिलाम1 और निकोलस 2 की शिक्षाओं को मानते हैं - पश्चाताप
  c. लौदीकिया - तुम न तो गर्म हो और न ही ठंडे। - मैं तुम्हें अपने मुंह से थूकने वाला हूं
  d. सरदीस - आपके पास जीवित होने की प्रतिष्ठा है लेकिन आप मर चुके हैं - जागो! जो बचा है उसे मजबूत करें और मरने वाला है
  e. थुआतीरा - उन शिक्षकों को सहन करें जिनकी शिक्षा ईसाईयों को यौन अनैतिकता की ओर ले जाती है - जब तक वे पश्चाताप नहीं करेंगे उन्हें तीव्र पीड़ा होगी

वफादार रहना

ईसाई विश्वासियों के लिए, जिन्होंने हमारे भगवान और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता से हमारे साथ अनमोल विश्वास प्राप्त किया है:

"परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु के ज्ञान में तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे, क्योंकि उसकी दिव्य शक्ति ने हमें वह सब कुछ दिया है जोसंबंधित जीवन और भक्ति के लिए, उस के ज्ञान के माध्यम से जिसने हमें महिमा और गुण के द्वारा बुलाया है, जिसके द्वारा हमें बड़े बड़े और अनमोल वचन दिए गए हैं, कि इनके द्वारा तुम भ्रष्टता से बचकर दैवीय स्वभाव के सहभागी हो सको। *वह है*दुनिया में वासना के माध्यम से।

"परन्तु इसी कारण से सब परिश्रम करते हुए अपने विश्वास में सद्गुण, सद्गुण ज्ञान, ज्ञान आत्मसंयम, आत्म-संयम, दृढ़ता, और दृढ़ता ईश्वरत्व, भक्ति भ्रातृ-कृपा, और भ्रातृ-कृपा से प्रेम। क्योंकि यदि ये वस्तुएं तेरी हैं और बहुत हैं,तुम होगे हमारे प्रभु यीशु मसीह की पहिचान में न बांझ और न निष्फल। क्योंकि जिसके पास इन बातों का अभाव है, वह अदूरदर्शी है, यहां तक कि अन्धा भी, और भूल गया है कि वह अपने पुराने पापों से शुद्ध किया गया था।

"इसलिथे हे भाइयो, अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चय करने के लिथे और भी अधिक यत्न करो, क्योंकि यदि तुम ये काम करो, तो कभी ठोकर न खाओगे; क्योंकि इस प्रकार हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में तुम्हें बहुतायत से प्रवेश दिया जाएगा।" (2 पतरस 1:1-11 एन.के.जे.वी.)

“झूठे भविष्यद्वक्ता परमेश्वर के लोगों में थेपिछले, जैसे झूठे शिक्षक तुम्हारे बीच में होंगे। वे गुप्त रूप से अपनी विनाशकारी शिक्षाओं (विधर्म) को लाएंगे]। वे उस यहोवा का इन्कार करेंगे, जिस ने उन्हें मोल लिया है, और वे अपने आप को शीघ्र नाश करेंगे। बहुत से लोग (ईसाई) उनकी यौन स्वतंत्रता में उनका अनुसरण करेंगे (विनाशकारी तरीके,मैंकुटिलता, शर्मनाक तरीके) और दूसरों को सच्चाई के मार्ग का अपमान करने का कारण बनेंगे। अपने लालच में वे आपका शोषण करने के लिए अच्छे-अच्छे तर्क-वितर्क करेंगे।” (2 पतरस 2:1-3 जीडब्ल्यूटी)

"ये झूठे शिक्षक साहसी और अभिमानी हैं (पीफिर से शुरू, स्व-इच्छाशक्ति, बोल्ड)। वे अपमान करने से नहीं डरतेलॉर्ड्स वैभव।" (2 पतरस 2:10 जीडब्ल्यूटी)

"लोग हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह को जान सकते हैं और दुनिया की गंदगी (अपवित्रता) से बच सकते हैं। लेकिन अगर वे फिर से इस गंदगी में शामिल हो जाते हैं और इसके आगे झुक जाते हैं, तो वे पहले से भी बदतर हो जाते हैं। उनके लिए यह बेहतर होता कि वे जीवन के उस मार्ग को कभी नहीं जानते जिसे परमेश्वर ने स्वीकार किया है, इसे जानने और पवित्र जीवन से मुंह मोड़ने से बेहतर है जिसे परमेश्वर ने जीने के लिए कहा था।" (2 पतरस 2:20-21 जीडब्ल्यूटी)

फिर फैसला

"टीमैं ने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उस पर बैठने वाले को देखा, जिसके मुख से पृथ्वी और आकाश भाग गए। और उनके लिए कोई जगह नहीं मिली। और मैं ने छोटे क्या बड़े मरे हुओं को परमेश्वर के साम्हने खड़े देखा, और किताबें खोली गईं। और एक और किताब खोली गई, जो हैकिताबजीवन का। और मरे हुओं का न्याय उनके कामों के अनुसार, उन बातों के द्वारा किया गया जो उन पुस्तकों में लिखी गई थीं। … और जो कोई जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न पाया गया, वह आग की झील में डाला गया। अब मैंने एक नया स्वर्ग और एक नई पृथ्वी (आध्यात्मिक) देखी, क्योंकि पहला स्वर्ग और पहली पृथ्वी (भौतिक) मर चुकी थी। ... "देखो, परमेश्वर का तम्बूहैपुरुषों के साथ, और वह उनके साथ रहेगा, और वे उसके लोग होंगे। भगवान स्वयं उनके साथ रहेंगेऔर होउनके भगवान। ”(प्रकाशितवाक्य 20:11-21:3 .)एनकेजेवी)

क्या आपका नाम "जीवन की पुस्तक" में मिलेगा?

प्रश्न

प्रश्न

1. मनुष्य को परमेश्वर के स्वरूप, उसकी प्रकृति में बनाया गया था; इसलिए, आदमी थाबिनापाप.
   सही गलत ___

2. चूँकि परमेश्वर आदम और हव्वा को जीवन के वृक्ष का फल न खाने की आज्ञा देता है, वे निर्णय लेने की क्षमता के साथ बनाए गए थे।
   सही गलत ___

3. परमेश्वर ने आदम और हव्वा को वर्जित वृक्ष का फल खाने के लिए बहकाया
   सही गलत ___

   उन्होंने पाप किया और उन परिणामों का सामना किया जिनका परमेश्वर ने वादा किया था

सही गलत ___

4. नूह के दिनों में परमेश्वर ने बुराई के पश्चाताप के लिए 100 से अधिक वर्षों तक प्रतीक्षा की
   सही गलत ___

5. नूह और उसके परिवार को परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने के द्वारा बपतिस्मा के प्रतीक जल के द्वारा बचाया गया था
   सही गलत ___

6. परमेश्वर ने एक और धर्मी व्यक्ति, इब्राहीम से वादा किया कि उसके वंशज, एकवचन के माध्यम से, मानव जाति का उसके साथ मेल हो सकता है।
   सही गलत ___

7. इब्राहीम से किया गया वादा इसहाक के साथ, बाद में याकूब के साथ भी नवीनीकृत किया गया था, और वह वंशज नासरत का यीशु, मसीह था।
   सही गलत ___

8. जो लोग मसीह के सुसमाचार के आज्ञाकारी थे, उन्हें उसके शरीर के प्रायश्चित बलिदान के द्वारा पवित्र बनाया गया है।
   सही गलत ___

9. यीशु ने कहा कि जॉन द बैपटिस्ट की मृत्यु के बाद ईश्वर का राज्य हाथ में है, अपने जीवन के तरीके को बदलें (पश्चाताप करें) और विश्वास करें (अपने विश्वास की पुष्टि करने के लिए कार्रवाई करें) न कि केवल बोले गए शब्द।
   सही गलत ___

10. मसीह का सुसमाचार मसीह है, एक सिद्ध पापबलि जो आज्ञाकारी से पाप को दूर कर सकता है
    सही गलत ___

11. प्राप्त सुसमाचार उन लोगों को बचाता है जो मसीह को स्वीकार करते हैं, भले ही वे बाद में उसे अस्वीकार कर दें
    सही गलत ___

12. परमेश्वर उन लोगों से बदला लेगा जो उसे स्वीकार करने और उसकी आज्ञा मानने से इनकार करते हैं
    सही गलत ___

13. मानव जाति को मसीह के सुसमाचार की आवश्यकता क्यों है?
    a. ___सभी ने पाप किया है
    b. ___पाप की मजदूरी आत्मिक मृत्यु है
    c. ___ मसीह का प्रायश्चित बलिदान सुसमाचार है
    d. ___ क्षमा करने के लिए बपतिस्मा के माध्यम से ईश्वर को बुलाकर सुसमाचार की आज्ञाकारिता मनुष्य को ईश्वर से मिलाती है
    e. ___ सब से ऊपर

14. ईसाइयों से कहा गया कि वे खुद को द्वेष, छल, पाखंड, ईर्ष्या, बदनामी से मुक्त करें और अपने उद्धार में आगे बढ़ें।
    सही गलत ___

15. लोग और लोगों की पूरी कलीसियाएं जो अपने पूर्व पाप से भरे जीवन में लौटने के द्वारा मसीह को त्याग देती हैं, अभी भी बचाई गई हैं।
    सही गलत ___

16. कुछ "ईसाई" मसीह को प्रभु बताते हैं और अस्वीकार करते हैं जिसके परिणामस्वरूप कई लोग भटक जाते हैं
    सही गलत ___

17. जो लोग मसीह के सुसमाचार को स्वीकार करते हैं, वे फिर से सांसारिक जीवन में शामिल हो जाते हैं, यदि वे मसीह को कभी नहीं जानते थे, तो उससे भी बदतर स्थिति में हैं।
    सही गलत ___

18. परमेश्वर का तम्बू धर्मियों के पास है और परमेश्वर उनके साथ उनके परमेश्वर के रूप में वास करता है।
    सही गलत ___

19. पृथ्वी पर मनुष्य के कार्यों को जीवन की पुस्तक में दर्ज किया गया है जिससे उनका न्याय किया जाएगा
    सही गलत ___